NEWS CLIPPING: 06.02.2019

HINDUSTAN

फरीदाबाद स्थित जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में मंगलवार को महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती की 195वीं जयंती के उपलक्ष्य में स्वामी विश्वांग को पौधा भेंट करते हुए प्रोफेसर नरेश चौहान। • हिन्दुस्तान

दयानंद सरस्वती की जयंती मनाई

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि.(वाईएमसीए) में मंगलवार को महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती की 195वीं जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर विवेकानंद मंच की ओर से व्याख्यान हुआ। इसमें वैदिक साहित्य के विद्वान एवं गुजरात के दर्शन योग कॉलेज के स्वामी विश्वांग परिवाजक मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे।

उन्होंने स्वामी दयानंद सरस्वती के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। छात्र कल्याण के प्रो. नरेश चौहान की अध्यक्षता में कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विश्वांग ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इसके बाद स्वामी दयानंद के चित्र के समक्ष नमन कर श्रद्धांजलि दी गई। **(कासं)**

HINDUSTAN

वाईएमसीए विश्वविद्यालय के नए कैंपस के लिए 18.47 एकड़ की मंजूरी

नगर निगम सदन की बैठक में मंगलवार को भांखड़ी राजस्व की संपदा में वाईएमसीए विश्वविद्यालय के बनने वाले नए कैंपस के लिए करीब 18.437 एकड़ भूमि को आंवटित किए जाने के प्रस्ताव को बिना किसी विरोध के मंजूर किया। पिछली बैठक में वरिष्ठ उपमहापौर के विरोध के बाद इस प्रस्ताव को रोक दिया गया था। जबकि यह प्रस्ताव राज्य सरकार के दिशा-निर्देश पर वरिष्ठ वास्तुकार के माध्यम से रखा गया था। गांव भांखड़ी में नगर निगम की करीब 81 एकड़ जमीन खाली पड़ी है। इसमें से करीब 63 एकड़ भूमि पर धारा 4 व 5 लागू है। जबकि करीब 18 एकड़ भूमि इन धाराओं से मुक्त है। नगर निगम इस जमीन को करीब तीन करोड़ रुपये प्रति एकड़ वाइएमसीए को बेचेगा।

NEWS CLIPPING: 06.02.2019

PUNJAB KESARI

स्वामी दयानंद सरस्वती की जयंती के उपलक्ष्य में उनके जीवन दर्शन पर डाला प्रकाश

'आध्यात्मिक ज्ञान से ही हो सकती है सुख की प्राप्ति'

फरीदाबाद, 5 फरवरी (ब्यूरो): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती की 195वीं जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विवेकानंद मंच द्वारा व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें वैदिक साहित्य के विद्वान एवं गुजरात के दर्शन योग कालेज में द्रोणाचार्य स्वामी विश्वांग परिव्राजक मुख्य वक्ता रहे तथा स्वामी दयानंद सरस्वती के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। इस उपलक्ष्य में अपने संदेश में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि स्वामी दयानंद महान शिक्षाविद्, समाज सुधारक एक सांस्कृतिक राष्ट्रवादी थे, जिन्होंने भारतीय समाज का पुनर्जागरण किया और आधुनिक भारत की नींव रखी। स्वामी दयानंद सिद्धांत व आदर्श आज भी युवाओं के लिए प्रासंगिक तथा मार्गदर्शक है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नरेश चौहान की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विश्वांग ने दीप प्रज्ज्वलन किया तथा स्वामी दयानंद के चित्र के समक्ष नमन करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने स्वामी दयानंद द्वारा रचित ग्रंथ 'सत्यार्थ प्रकाश' के माध्यम से उनकी शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों ने कविता एवं संगीतमय प्रस्तुति द्वारा भी स्वामी दयानंद को याद किया। कार्यक्रम का आयोजन निदेशक युवा कल्याण डॉ. प्रदीप डिमरी तथा डिप्टी डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. सोनिया बंसल की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वामी विश्वांग ने महर्षि दयानंद द्वारा प्राप्त अध्यात्मिक ज्ञान तथा युवाओं में वैदिक भावना को प्रोत्साहित करने में उनके योगदान पर प्रकाश डाला।

उन्होंने विद्यार्थियों को महर्षि दयानंद द्वारा रचित साहित्य सत्यार्थ प्रकाश का नियमित अध्ययन करने का आह्वान किया ताकि वे अपने जीवन में स्वामी जी के विचारों को आत्मसात कर सकें। स्वामी विश्वांग ने अपने भाषण में विद्यार्थियों को सुखमय जीवन जीने का मंत्र दिया। जानकारी और ज्ञान के बीच अंतर बताते हुए उन्होंने कहा कि धैर्य और दृढ़ता के माध्यम से शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्तर पर सभी दोषों को दूर किया जा सकता है जो कि जीवन में सबसे जरूरी है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वामी विश्वांग।

स्वामी दयानंद महान शिक्षाविद्, समाज सुधारक एक सांस्कृतिक राष्ट्रवादी थे

पंजाब केसरी ई-पेपर Wed, 06 February 2019
https://epaper.punjabkesari.in/c/36467326

NEWS CLIPPING: 06.02.2019

PUNJAB KESARI COM

आध्यात्मिक ज्ञान से ही हो सकती है सुख की प्राप्ति: स्वामी

- स्वामी दयानंद सिद्धांत व आदर्श आज भी युवाओं के लिए प्रासंगिक: प्रो दिनेश कुमार
- स्वामी दयानंद सरस्वती की जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन

फरीदाबाद ,राकेश देव(पंजाब केसरी)। जे सी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती की 195वीं जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विवेकानंद मंच द्वारा व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें वैदिक साहित्य के विद्वान एवं गुजरात के दर्शन योग कालेज में द्रोणाचार्य स्वामी विश्वांग परिव्राजक मुख्य वक्ता रहे तथा स्वामी दयानंद सरस्वती के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। इस उपलक्ष्य में अपने संदेश में कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने कहा कि स्वामी दयानंद महान शिक्षाविद्, समाज सुधारक एक सांस्कृतिक राष्ट्रवादी थे, जिन्होंने भारतीय समाज का पुनजार्गरण किया और आधुनिक भारत की नींव रखी। स्वामी दयानंद सिद्धांत व आदर्श आज भी युवाओं के लिए प्रासंगिक तथा मार्गदर्शक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को स्वामी जी के विचारों का अनुकरण करना चाहिए। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो नरेश चैहान की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विश्वांग ने दीप प्रज्वलन द्वारा किया तथा स्वामी दयानंद के चित्र के समक्ष नमन करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने स्वामी दयानंद द्वारा रचित ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश के माध्यम से उनकी शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों ने कविता एवं संगीतमय प्रस्तुति द्वारा भी स्वामी दयानंद को याद किया। कार्यक्रम का आयोजन निदेशक युवा कल्याण डॉ प्रदीप डिमरी तथा डिप्टी डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ सोनिया बंसल की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वामी विश्वांग ने महर्षि दयानंद द्वारा प्राप्त अध्यात्मिक ज्ञान तथा युवाओं में वैदिक भावना को प्रोत्साहित करने में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को महर्षि दयानंद द्वारा रचित साहित्य सत्यार्थ प्रकाश का नियमित अध्ययन करने का आह्वान किया ताकि वे अपने जीवन में स्वामी जी के विचारों को आत्मसात कर सके।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वामी विश्वांग।(छाया:राकेश देव)

NEWS CLIPPING: 06.02.2019

DAINIK JAGRAN

स्वामी दयानंद महान शिक्षाविद थे : प्रो.दिनेश

जासं, फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) विश्वविद्यालय में महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती की 195वीं जयंती के उपलक्ष्य में विवेकानंद मंच द्वारा व्याख्यान का आयोजन हुआ। इसमें वैदिक साहित्य के विद्वान एवं गुजरात के दर्शन योग कॉलेज में द्रोणाचार्य स्वामी विश्वांग परिव्राजक मुख्य वक्ता रहे। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नरेश चौहान की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विश्वांग ने दीप प्रज्वलन कर किया तथा स्वामी दयानंद के चित्र को नमन करते हुए श्रद्धांजलि दी। वहीं कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि स्वामी दयानंद महान शिक्षाविद्, समाज सुधारक एक सांस्कृतिक राष्ट्रवादी थे, जिन्होंने भारतीय समाज का पुनर्जागरण किया और आधुनिक भारत की नींव रखी। प्रत्येक व्यक्ति को उनके विचारों का अनुकरण करना चाहिए। मौके पर विद्यार्थियों ने स्वामी दयानंद द्वारा रचित ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश के माध्यम से उनकी शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। साथ ही कविता एवं संगीतमय प्रस्तुति द्वारा भी उन्हें याद किया। कार्यक्रम का आयोजन निदेशक युवा कल्याण डॉ. प्रदीप डिमरी तथा डिप्टी डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. सोनिया बंसल की देखरेख में किया गया।